पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राज0)

"सत्र 2019–20"

संस्कृत साहित्य

(कला संकाय)

Helpstudentpoint.com

बी.ए. संस्कृत प्रथम वर्ष 2019-20

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक परीक्षा में दो–दो प्रश्नपत्र होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 तथा पूर्णांक 100 होंगे और समय 3 घण्टे का होगा।
3. परीक्षा का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी होगा , परन्तु प्रश्नपत्र केवल हिन्दी में बनाया जायेगा। परीक्षार्थी को छूट होगी कि वह हिन्दी,संस्कृत अथवा अंग्रेजी में किसी एक भाषा में उत्तर दे सके । यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश कर दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
4. संस्कृत केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
5. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जावेंगे।
6. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिये निर्धारित हैं।
7. प्रत्येक प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे, जिसमें प्रथम 'अ' भाग लघूत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। 'ब' भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। 'अ' भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे, जिनका पूर्णांक 30 होगा।

परीक्षा योजना–	न्यूनतम उत्तीर्णांक–72	पूर्णांक–200
प्रथम प्रश्न–पत्र		अंक–100
द्वितीय प्रश्न–पत्र		अंक–100

प्रथम प्रश्नपत्र

दृश्य एवं श्रव्य काव्य

समय : 3 घण्टे अंक 100

प्रथम प्रश्न में निर्धारित ग्रन्थ में से लघूत्तरात्मक निबन्धात्मक, अनुवाद, व्याख्या व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद / निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

1.	स्वप्नवासवदत्तम् (भास)	25 अंक
2.	नीतिशतकम् (भर्तृहरि)	30 अंक
3.	रघुवंशम् प्रथम सर्ग	25 अंक
4.	अनुवाद– संस्कृत से हिन्दी–कारक संबंधी पांच वाक्य	10 अंक

Incharge

Helpstudentpoint.com

सं.		प्रश्न		प्रश्न संख्या		
1.	स्वप्नवासवदत्तम्	लघूत्तरात्मक 5	10	02	15	10+15=25
2.	नीतिशतक	लघूत्तरात्मक 5	10	02	20	10+20=30
3.	रघुवंशम् (प्रथमसर्ग)	लघूत्तरात्मक 5	10	02	15	10+15=25
4.	अनुवाद–कारक संबंधी			01	10	10
5.	हिन्दी से संस्कृत दस में से पांच वाक्य			01	10	10
	कुल	5	30	08	70	100

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक व निबन्धात्मक, व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

स्वप्नवासवदत्तम्

भाग अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 10 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर देय है। 5 अंक

नीतिशतकम्

भाग अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 10 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 6 अंक

रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 10 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी 10 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 5 अंक

Incharge
Academic

Helpstudentpoint.com

अनुवाद

1. संस्कृत से हिन्दी– कारक संबंधी पांच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 10 अंक
2. हिन्दी से संस्कृत– दस वाक्य देकर पांच वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 10 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ. कृष्णदेव प्रसाद–जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
2. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.रूपनारायण त्रिपाठी –रचना प्रकाशन, जयपुर। स्वप्नवासवदत्तम्–संस्कृत हिन्दी व्याख्या –डॉ.जगन्नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
3. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
4. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, चौडा रास्ता जयपुर।
5. नीतिशतकम्–डॉ. गोपाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. नीतिशतकम्–डॉ. श्रीकृष्ण ओझा,, राज प्रकाशन मंदिर, जयपुर।
7. नीतिशतकम्– डॉ.सुभाष वेदालंकार, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
9. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
10. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल
11.

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे **अंक–100**

भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, व्याकरण

प्रश्नपत्र योजना– प्रथम प्रश्न में निर्धारित ग्रन्थ में से लघूत्तरात्मक निबन्धात्मक, अनुवाद, व्याख्या व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यक्रम

1.भारतीय संस्कृति के तत्त्व – 20 अंक

क– भारतीय संस्कृति–विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ।
ख– भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा–पूर्ववैदिक काल, वैदिकोत्तरकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल।
ग– प्राचीनकाल– राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति।
घ– वर्ण, आश्रम, एवं संस्कार।
ङ– शिक्षा (वैदिककाल से लेकर 7वीं शताब्दी तक)
च– लेखन–कला की उत्पत्ति।
छ– भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधाराएं।
ज– भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान।

2. किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)–भारविकृत 25 अंक

Incharge
Academic
PDUSU ...

Helpstudentpoint.com

3. व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण 35 अंक

क–संज्ञा प्रकरण– 10 अंक
ख–अच् संधि– 10 अंक
ग– हल् संधि– 10 अंक
घ– विसर्ग संधि– 05 अंक

4. निम्नलिखित कृत् प्रत्ययों से वाक्य निर्माण सम्बन्धी प्रश्न – 20 अंक

तव्यत्, अनीयर् – तव्यत्तव्यानीयरः
यत् – अचो यत्, ईद्यति, पोरदुपधात्
क्यप्– एतिस्तुशास्वृदृजुषः क्यप्, ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, शास् इदङ्हलोः
ण्यत्– ऋहलोर्ण्यत्
शतृ, शानच्– लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिरणे, आने मुक्
क्त, क्तवतु– क्तक्तवतूँ निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः
क्त्वा– समानकर्तृकयोः पूर्वकाले
ल्यप्– समासेऽनञ् पूर्वे क्त्वो ल्यप्
तुमुन्– तुमुण्वुलौ क्रियायाँ क्रियार्थायाम्

अंक– विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लघूत्तरात्मकप्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंकों का योग
1.	भारतीय संस्कृति के तत्त्व	लघूत्तरात्मक 3	06	02	14	06+14=20
2.	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	लघूत्तरात्मक 4	08	02	17	08+17=25
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण	लघूत्तरात्मक 5	10	01	25	10+25=35
4.	कृत् प्रत्यय	लघूत्तरात्मक 3	06	07	14	06+14=20
	कुल	15	30	10	70	100

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक व निबन्धात्मक, व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

भारतीय संस्कृति के तत्व

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 10 अंक
2. दो विषयों पर टिप्पणी पूछ कर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 04 अंक

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

Helpstudentpoint.com

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में 2–2 अंक के चार लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 08 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 12 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 5 अंक

व्याकरण–लघुसिद्धान्त कौमुदी

भाग अ में 2–2 अंक के पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 10 अंक

भाग ब

क. संज्ञा प्रकरण

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।
प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

ख. अच् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।
प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

4 शब्दसिद्धि पूछकर किन्हीं 2 शब्दों की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि अपेक्षित है। प्रत्येक सिद्धि के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

ग. हल् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।
प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

4 शब्दसिद्धि पूछकर किन्हीं 2 शब्दों की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि अपेक्षित है। प्रत्येक सिद्धि के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

घ. विसर्ग संधि–

2 सूत्र पूछकर किसी 1 सूत्र की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 02 अंक
2 शब्दसिद्धि पूछकर किसी 1 शब्द की सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्धि अपेक्षित है। 03 अंक

ङ कृत् प्रत्यय–

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

(कृत्प्रत्यय के प्रयोग पूर्वक संस्कृत में चार वाक्यों का निर्माण अपेक्षित है। 14 अंक

कुल योग– 100 अंक

सहायक पुस्तकें– भारतीय संस्कृति

1. भारतीय सांस्कृतिक निधि– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।
2. भारतीय संस्कृति–श्री रागदेव राहू, श्याम प्रकाशन चौडा रास्ता, जयपुर।
3. भारतीय संस्कृति– वाई.एस.रमेश–रचना प्रकाशन,जयपुर।

Incharge
Academic

Helpstudentpoint.com

4. भारतीय संस्कृति– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन– डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

किरातार्जुनीयम्

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–आचार्य नवल किशोर कांकर, विद्या वैभव भवन, जयपुर।
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन , जयपुर।
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।

अनुवाद के लिए

1. संस्कृत रचनानुवाद मंजरी–पं. नंदकुमार शास्त्री, अजमेरा बुक कम्पनी,त्रिपोलिया बाजार, जयपुर ।
2. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वाराणसी।
3. रचनानुवादप्रभा–डॉ.श्रीनिवास शास्त्री, कुरुक्षेत्र।

व्याकरण के लिये

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ. राजेश कुमार,जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीमहेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान ,दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री।
5. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
6. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

Helpstudentpoint.com

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR